वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-2463380
फैक्स : 0755-2461703
ई-मेलःsrote@eklavya.in

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.eklavya.in

वर्ष - 1 अंक - 7
सितम्बर 2007

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

17 जोखिम में भालू

20 दिल्ली की कारें

32 जानकी अम्मल

जलवायु परिवर्तन और फफूंद का प्रजनन		
गिरगिट बना बृहस्पति		2
केंकड़े खोल के साथ ज़हर से भी मुक्त होते हैं		2
जंतुओं को थोड़ी राहत मिली		4
इन्सान के शरीर में सुअर की कोशिकाएं		4
हैसियत वाले नर की गंध से तंत्रिकाएं बनती हैं		5
रामसेतु प्राकृतिक है, मानव निर्मित नहीं	जे. अकलेचा	6
जनता का एक सदाबहार डॉक्टर	कावेरी नंबीसन	9
नार्को जांचः एक खतरनाक मरीचिका		11
एरेबिडोप्सिसः छोटा पौधा बड़ा काम	डॉ. किशोर पंवार	15
रक्त समूह की समस्या का समाधान		16
पिघलती बर्फ पर बैठा ध्रुवीय भालू	डॉ. चन्द्रशीला गुप्ता	17
क्यों न हो दिल्ली में निजी कारों पर पाबन्दी?	सुनील	20
जैव ईंधन का एक रूप यह भी		23
जलवायु परिवर्तन एवं भारत का दायित्व	डॉ. रामप्रताप गुप्ता	24
विज्ञान शिक्षा को पटरी पर लाने के विचार	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	27
तमिलनाडु में संयुक्त प्रवेश परीक्षा की समाप्ति	अरविंद सरदाना	29
एक समर्पित वनस्पति वैज्ञानिक ई.के. जानकी अम्मल	सी.वी. सुब्रमण्यन	32
रानी मधुमक्खी से सबक ले सकते हैं नेता		35
लतीफों से इलाज नहीं निदान	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	36
स्टेम कोशिकाएं : शरीर का सुप्त ज्वालामुखी?	डे और रंगराजन	38
भारी धातुएं कम मात्रा में भी हानिकारक		42

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।